पाठ 14 - लोकगीत

पष्ठृ संख्या:125

प्रश्न अभ्यास

निबधं से

1. निबधं मेंलोकगीतों केनकि पक्षों की चचचाकी गई है? नबदंओु ंकेरूप मेंउन्हेंनलखो।

उत्तर

प्रस्ततु निबधं मेंलोकगीतों कच इनतहचस, उिकी रचिचत्मकतच, जिमचिस मेंलोकनप्रयतच, नियों कच लोकगीतों मेंयोगदचि, उिकेनिनिन्ि प्रकचर, उिकेसगीतं यत्रं, उिकी िचषच, ित्यृ और लोकगीत जैसे अिेकनबन्दओु ंपर चचचाकी गई है।

2. हमचरेयहचाँनियों केखचस गीत कौि-कौि सेहैं?

उत्तर

हमचरेयहचाँत्योहचरों पर िहचतेसमय के, िहचिजचतेहुए रचह के, निचह के, मटकोड़, ज्यौिचर के, सबनधयोंं केनलए प्रेमयक्तु गचली के, जन्म पर आनद अिसरों पर गचयेजचिअलग-अलग गीत हैं,जो नियों केनलए खचस गीत हैं।

3. निबधं केआधचर पर और अपिेअिि ु केआधचर पर (यनद तम्हें ुलोकगीत सि े ुकेमौकेनमले हैंतो) तमु लोकगीतों की कौि-सी निशेषतचएँबतच सकतेहो?

उत्तर

लोकगीत की अिेकनिशेषतचएँहैं-

- येहमेंगचाँिकेजि-जीिि सेपररनचत करचतेहैं।
- इिकेिचद्य यत्रं बहतु सरल होतेहैंहैंजैसेढोल, ढपली, थचल आनद।
- येसमहू मेंऊाँ चीआिचज़ मेंगचयेजचतेहैंनजस कचरण हमचरेअदरं उत्सचह कच सचचरं होतच है।
- इि गीतों को गचिकेनलए हमेंनकसी सगीतं केज्ञचि की आिश्यकतच िही होती है।

4. 'पर सचरेदेशके.....अपि-अपिनिद्यचपनत हैं'इस िचक्य कच क्यच अथाहै? पचठ पढ़कर मचलमू करो और नलखो।

उत्तर

परबू की बोनलयों मेंहमेशचमैनथल-कोनकल निद्यचपनत द्वचरच नलनखत गीत गचयेजचतेहैंपरन्तुअगर िहचाँ सेनिकलकर अन्य रचज्यों यच प्रदेशोंमेंजचएँतो उि लोगों केलोकगीतों की रचिच करेिचलेअपि-अपिनिद्यचपनत मौजदू हैं।

पष्ठृ सख्यचं: 126

भाषा की बात

1. 'लोक' शब्द मेंकुछ जोड़कर नजतिशब्द तम्हें ुसझें ू,उिकी सची ू बिचओ। इि शब्दों को ध्यचि से देखोऔर समझो नक उिमेंअथाकी दृनि सेक्यच समचितच है।इि शब्दों सेिचक्य ि ी बिचओ। जैसे-लोककलच।

उत्तर

लोकतंत्र - दनियचु मेंअनधकतर देशोंि ेलोकतंत्र को अपिच नलयच है।

लोकमंच - लोकमंच आम जिमचिस की परेशचनियोंको नदखचिकच सबसेसरल तरीकच है।

लोकनहत - हमेंिह किी िहीं करिच चचनहए जो लोकनहत
मेंिच हो। लोकनप्रय - यह उत्पचद बचजचर मेंबेहदलोकनप्रय है।
लोकमत - निपक्ष िेलोकमत कच सम्मचि नकयच।

पष्ठृ सख्यचं: 127

2. 'बचरहमचसच' गीत मेंसचल केबचरह महीिोंं कच िणाि होतच है।िीचेनिनिन्ि अकोंं सेजड़ेकुछ शब्द नदए गए हैं।इन्हेंपढ़ो और अिमचि लगचओ नक इिकच क्यच अथाहैऔर िह अथाक्यों है।इस सचीू मेंतमु अपिमि सेसोचकर िी कुछ शब्द जोड़ सकतेहो - इकतचरच, सरपचं, चचरपचई, सप्तनषा, अठन्िी, नतरचहच, दोपहर, छमचही, िरचत्र।

उत्तर

- इकतचरच - एक तचर सेबजिेचलच िचद्ययतंर्
- सरपचं - पचोंं कच प्रमखु
- चचरपचई - चचर पैरोंिचली
- सप्तनषा- सचत ऋनषयों कच समहू
- अठन्िी - पचचस पैसेकच नसक्कच
- नतरचहच - तीि रचस्तों केनमलिेकी जगह
- दोपहर - जब नदि केदो पहर नमलतेहों
- छमचही - छह महीिेमेंहोिेिचलच
- िरचत्र - िौ रचतों कच समहू

3. को, में,सेआनि वाक्य मेंसज्ञां का िूसरेशब्िोंं केसाथ सबंधं िशाातेहैं।निछलेिाठ (झाँसीकी राि ी) मेंतमिुका केबारेमेंजाि ा। िीचे'मंजरी जोशी' की िस्तकु 'भारतीय सगीतं की िरंिरा' सेभारत के एक

लोकवाद्य का वर्ािनिया गया है।इसेिढो और रक्त स्थािोों मेंउनचत शब्ि नलखो -

तरही िचरत केकई

ु प्रचतों ं मेंप्रचनलत है।यह नदखिे......... अग्रेज़ीं केएस यच सी अक्षर......... तरह होती ....निनिन्ि प्रचतों ं मेंपीतल यच कचाँसे.........बिच यह िचद्य अलग-है।िचरत अलग

जचिच जचतच है।धचत ुकी

िचमों...... ... िली......... घमचकरु एस......... आकचर इस तरह नदयच जचतच

हैनक उसकच एक नसरच सकरच रहेऔर दसरच नसरच घटीिमच चौड़च रहे।फाँक

मचरिं......... एक छोटी

ं ू ं ु ू

िली

अलग......... जोड़ी जचती है।रचजस्थचि......... इसेबगाूकहतेहैं।उत्तर प्रदेश......... यह तरीू

िरनसघचं...... िचम

मध्य प्रदेशऔर गजरचतु......... रणनसघचं और नहमचचल प्रदेश........ ... सेजची

जचती है।रचजस्थचि और गजरचत मेंइसेकचकड़नसघी िी कहतेहैं।

ु ं

उत्तर

तरहीु िचरत केकई प्रचतों ं मेंप्रचनलत है।यह नदखिेमेंअग्रेज़ीं केएस यच सी अक्षर की तरह होती है। िचरत केनिनिन्ि प्रचतों ं मेंपीतल यच कचाँसे बिच यह िचद्य अलग-अलग िचमों सेजचिच जचतच है। धचत ुकी िली को घमचकरु एस कच आकचर इस तरह नदयच जचतच हैनक उसकच एक नसरच सकरचं रहे और दसरचू नसरच घटीिंमचु चौड़च रहे।फाँकू मचरिंपर एक छोटी िली अलग सेजोड़ी जचती है।रचजस्थचि मेंइसेबगाूकहतेहैं।उत्तर प्रदेशमेंयह तरीू मध्यप्रदेशऔर गजरचतु मेंरणनसघचं और नहमचचलप्रदेशमें िरनसघचं केिचम सेजची जचती है।रचजस्थचि और गजरचतु मेंइसेकचकड़नसघीं िी कहतेहैं।